E -100 Marks
Batch – 2020-21 /
2021-22/2022-23

टिळक महाराष्ट्र विद्यापीठ, पुणे

एम्. ए. हिंदी (द्वितीय वर्ष)

सत्र – ३

परीक्षा : मई – २०२४

विषय : आधुनिक काव्य (भाग–१) (HDS - 301)

दि.: २५/०५/२०२४ **कुल अंक : १००** **समय : दो २.०० से दो ५.००**

सूचनाएँ : १) किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

२) सभी प्रश्नों के लिए समान (२०) अंक हैं।

प्र. १ 'कामायनी' महाकाव्य की सर्ग योजना के संदर्भ में विवेचन कीजिए।

प्र. २ 'कामायनी' महाकाव्य के चरित्रों की विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

प्र. ३ 'चिंता' सर्ग में अभिव्यक्त मनु की चिंता को सविस्तार स्पष्ट कीजिए।

प्र. ४ 'संशय की एक रात' खंडकाव्य की कथावस्तु को संक्षेप में लिखकर उसमें हनुमान की चरित्र योजना के महत्त्व को स्पष्ट कीजिए।

प्र. ५ 'संशय की एक रात' खंडाकाव्य में विपरित बोध और विपरित मान्यताओं का संघर्ष है – स्पष्ट कीजिए।

प्र. ६ 'संशय की एक रात' खंडाकाव्य के चरित्रों की विशेषताओं को लिखिए।

प्र. ७ 'कामायनी' महाकाव्य के कलापक्ष एवं भावपक्ष पर प्रकाश डालिए ।

प्र. ८ राम के मन में उद्‌भुत संशयों को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

प्र. ९ निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं दो की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए ।

१. हम अन्य न और कुटुंबी,
हम केवल एक हमी हैं।

२. भर रहा अंक श्रद्‌धा का,
मानव उस को अपना कर,
था इड़ा शीश चरणों पर,
वह पुलकित भरी गद्‌गद् स्वर।

३. दो सत्त्यः दो संकल्प,
दो आस्थाएँ,
व्यक्ति में ही अप्रमाणित व्यक्ति पैदा हो गया है।

४. यह सेतुबंध का बनना
रहता मात्र कल्पना
रामेश्वर तट एकत्र न होते ये
नग्न देह के कोटि कोटि साधारण जन।

प्र.१० निम्नलिखित में से किन्हीं दो विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए।

१. श्रद्‌धा का चरित्र चित्रण

२. 'आनंद' सर्ग

३. विभीषण का चरित्र

४. संशय की एक रात में नाटकीयता ।